शीर्ष प्राथमिकता

संख्या– 1015 /सत्तर–3–2021–16(26)/2011

प्रेषक,

मोनिका एस.गर्ग,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. **कुलपति**
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,
उ0प्र0।

2. **निदेशक,**
उच्च शिक्षा, उ0प्र0,
प्रयागराज।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3 **लखनऊ : दिनांक 09 अगस्त, 2021**

विषयः–राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 लागू किये जाने के परिप्रेक्ष्य में पाठ्यक्रम में कौशल विकास कार्यक्रमों तथा एन.सी.सी को सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/ महोदया,

अवगत हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में परिकल्पित है कि हमारे संस्थानों की पाठ्यचर्या और शिक्षा विधि छात्रों में मौलिक और संवैधानिक मूल्यों, देश के साथ जुड़ाव और बदलते विश्व में नागरिक की भूमिका और उत्तरदायित्वों की जागरूकता उत्पन्न करें। छात्रों में भारतीय होने का गर्व विचार में ही नहीं बल्कि व्यवहार, बुद्धि और कार्यों के साथ–साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों तथा सोच में भी होना चाहिए। इसकी प्रतिपूर्ति पाठ्यकम में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी) को वैकल्पिक विषय पेपर के रुप में शामिल करने से हो सकती है। छात्रों में अनुशासन, देश–प्रेम की भावना विकसित करने के साथ–साथ "राष्ट्रीय केडेट कोर" उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने में भी मदद करती है। देखा गया है कि कुछ योग्य विद्यार्थी इसे लेने से बचते हैं क्योंकि उन्हें इससे उनके अध्ययन प्रभावित होने का डर होता है । अतः निर्णय लिया गया है कि एन.सी.सी. को वैकल्पिक विषय/पेपर के रुप में पढ़ाने से इसकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी और विद्यार्थियों का अध्ययन भार भी कम होगा।

2– उक्त के आलोक में राष्ट्रीय केडेट कोर (एन.सी.सी) को आगामी सत्र से उ0प्र0 के सभी विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में वैकल्पिक विषय (लघु Minor)/पेपर के रुप में सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया है। यह पेपर 12 क्रेडिट का होगा ।

3– उक्त वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु निदेशक, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में राज्य समिति का गठन किया गया है, जिसमें एन.सी.सी. निदेशालय, राज्य स्तरीय पाठ्यक्रम समिति के प्रतिनिधि एवं ए.एन.ओ को सम्मिलित किया गया है। समिति शीघ्र ही एन.सी.सी.–वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम उपलब्ध करायेगी। विश्वविद्यालयों द्वारा एन.सी.सी.–वैकल्पिक विषय (लघु Minor) के लिये बनाई गई विद्वत सभा (BoS) में ए.डी.जी., एन.सी.सी. निदेशालय, उ0प्र0 द्वारा नामित एक सदस्य तथा कुलपति द्वारा एक ए.एन.ओ को भी रखा जायेगा।

Nikhil G.O.

4– आरम्भ में एन.सी.सी.–वैकल्पिक विषय (लघु Minor) सिर्फ एन.सी.सी. कैडेट के लिये ही उपलब्ध होगा, परन्तु कालांतर में संसाधनों के दृष्टिगत सभी छात्रों के लिये उपलब्ध कराया जायेगा तथा तद्नुसार पाठ्यक्रम में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जायेगा।

5– इस सम्बन्ध में उ0प्र0 के समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप तैयार न्यूनतम समान पाठ्यक्रम शैक्षिक सत्र 2021–22 लागू किये जाने विषयक शासन के पत्र संख्या–1065/सत्तर–3–2021–16(26)/2011, दिनांक 20.04.2021 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उपर्युक्त के आलोक में राष्ट्रीय केडेट कोर (एन.सी.सी) को आगामी सत्र से पाठ्यक्रम में वैकल्पिक विषय (लघु Minor)/पेपर के रुप में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करवाने का कष्ट करें।

भवदीया,

(मोनिका एस.गर्ग)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या– 1015 (1)/सत्तर–3–2021, तद्दिनांकः

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– कुलसचिव, समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उ0प्र0।
2– अपर सचिव, उ0प्र0 राज्य उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ।
3– मेजर जनरल राकेश राणा, अपर महानिदेशक, राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय, उ0प्र0।
4– ले0 कर्नल अशोक मोर, आई0आई0टी0, कानपुर उ0प्र0।

आज्ञा से

(हरेन्द्र कुमार सिंह)
उप सचिव।

Nikhil G.O.